परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय - 6
कार्य पत्रक (1) , सत्र 20-21
हिन्दी (द्वितीय भाषा)
पाठ - 3 , बस की यात्रा

1. लेखक और उसके मित्रों को बस से कहाँ जाना था ?

उत्तर - लेखक और उसके मित्रों को मध्यप्रदेश के पन्ना जिले से सतना स्टेशन तक जाना था | वहाँ से उन्हें जबलपुर की ट्रेन पकड़कर जबलपुर जाना था |

2. लोग उस बस को क्या कहते थे और क्यों ?

उत्तर - बस को लोग डाकिन कहते थे | क्योंकि बस बहुत टूटी-फूटी थी | उसकी हालत बहुत खराब थी | कभी भी कुछ भी हो सकता था |

3. बस की हालत कैसी थी ?

उत्तर - बस की हालत बहुत बुरी थी | उसकी खिडकियों के काँच बहुत कम बचे थे , सामने का बोर्ड टूटा हुआ था , टायर घिसे हुए थे | बस बिलकुल भी चलने कि हालत में नहीं थी |

4. इंजन स्टार्ट होने पर लेखक को क्या लगा ?

उत्तर - इंजन स्टार्ट होने पर लेखक को लगा कि जैसे वह बस की सीट में नहीं , क्योंकि की स्टार्ट होने पर शोर और कम्पन इंजन में होना चाहिए पर यहाँ पर पूरी बस में कम्पन और शोर हो रहा था | इसलिए लेखक को लगा कि वह बस में नहीं इंजन में बैठे हैं |

5. बस सविनय अवज्ञा के आन्दोलन से कैसे गुजर रही थी ?

उत्तर - बस की हालत इतनी बुरी थी कि बस का कोई भी भाग किसी दूसरे भाग का साथ नहीं दे रहा था | बड़े ही विनय के साथ ड्राइवर की आज्ञा मानने से इनकार कर रही थी | ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार सन 1930 में गाँधी जी के नेतृत्व में अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध भारतीयों ने उनके आदेशों को मानने से इनकार कर दिया था |

6. बस एकाएक क्यों रूक गई ? ड्राइवर ने फिर क्या किया ?

उत्तर - बस एकाएक इसलिए रुक गई क्योंकि बस की पेट्रोल की टंकी में छेद हो गया था | ड्राइवर साहब ने बाल्टी में पेट्रोल लेकर एक नली से पेट्रोल बस के इंजन में पहुँचाने लगे |

7. लेखक और उसके कितने मित्रों ने क्या तय किया ?

उत्तर - लेखक और उसके चार मित्रों ने तय किया कि वह शाम कि इस खटारा बस से सतना जाएंगे और वहाँ से जबलपुर की ट्रेन पकड़कर जबलपुर जायेंगे |

8. लेखक को बस में किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर - बस की हालत खराब होने से बस कई बार रुक गई | कभी पेट्रोल की टंकी में छेद हो गया तो कभी ऐसे ही | लेखक राते में आने वाले पेड़ों से भी डर रहा था कि कहीं बस अनियंत्रित होकर पेड़ से न टकरा जाए | बस की हेडलाईट भी खराब हो गया | बस रुक-रुक कर बड़ी धीमी स्पीड में चल रही थी और पुलिया के ऊपर जाकर बस का टायर भी पंचर हो गया | लेखक ने अपनी मंजिल पर पहुँचने की उम्मीद छोड़ दी थी |

9. रुकी हुई बस की हालत देखकर लेखक को क्या लगा ?

उत्तर - रुकी हुई बस की हालत देखकर लेखक को लगा कि वह बस नही एक वृद्धा है जो थककर बैठ गई है | जिसपर बैठकर आने पर उसे ग्लानि हो रही थी कि उसपर लदकर उन्होंने गलत किया है और इस सुनसान जंगल में उसका प्राणांत हो जाएगा तो उसे उसकी अंतिम क्रिया भी करनी पड़ेगी |

10. लेखक को बस वयोवृद्ध क्यों लगी ?

उत्तर - बस बहुत पुरानी और टूटी -फूटी थी | जिस प्रकार बहुत वृद्ध हो जाने पर शारीरिक रूप से अक्षम हो जाते हैं , हाथ-पैर जवाब दे देते है | कुछ भी करने की हालत में नहीं रहते है | बस भी उसी प्रकार बहुत पुरानी और जर्जर थी | कहीं भी जाने योग्य नहीं थी |

11. बस कंपनी के हिस्सेदार से लेखक ने यह क्यों पूछा कि यह बस चलती है ?

उत्तर - बस की हालत इतनी ज्यादा बुरी थी कि उसे देखकर किसी को भी विश्वास होता कि बस चलती होगी | इसलिए लेखक ने ऐसा पूछा कि यह बस चलती भी है ? लेखक विशवास नहीं कर पा रहा था |

12. बियाबान शब्द का क्या अर्थ है तथा लेखक ने इस शब्द का प्रयोग क्यों किया है ?

उत्तर - बियाबान का अर्थ होता है - सुनसान या निर्जन स्थान जहाँ आसपास लोग न रहते हों | बस रास्ते में सुनसान जगह में रुक गई थी इसलिए लेखक ने इस शब्द का प्रयोग किया है |

13. इस पाठ के लेखक कौन हैं तथा वह किस प्रकार के लेखक हैं ?

उत्तर - इस पाठ के लेखक हरिशंकर परसाई जी हैं | वे व्यंग्यकार है | अपनी व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से व्यंग्य रचनाओं को साहित्य की विधा के रूप में प्रतिष्ठित किया |

(द्वारा - श्रीमती अंजना माझी)